Note:- Class - VI Hindi 3rd lang.
Soma Saha.

पाठ - 4 - प्रकृति की सुषमा

* कविता को कंठस्थ करो।
* शब्दार्थों को कंठस्थ करो और लिखो।
* लिखित (प्रश्नोत्तर)

1) क) चंद्रमा के आने से आकाश का रूप कैसा हो जाता है?
Ans> चंद्रमा के आने से आकाश का रूप प्यारा हो जाता है।

ख) पुष्प किस प्रकार धरती को सजाते हैं?
Ans> पुष्प अपने विविध रंगों से धरती को सजाते हैं।

(ग) प्रकृति सदा ही हँसती है- ऐसा क्यों कहा गया है?
Ans> प्रकृति सदा ही हँसती है, ऐसा कहा जाता है, क्योंकि प्राकृतिक तत्व संसार को सुंदर रूप देते हैं, जैसे आसमान में सूरज, चाँद तथा तारे झिलमिलाते हैं, धरती पर नदियाँ बहती हैं, चारों ओर झूमते हुए पेड़-पौधे हैं, आसमान को चूमनेवाले ऊँचे-ऊँचे पर्वत भी हैं। चिड़ियों की मधुर आवाज़ भी प्रकृति को मुस्कुराता प्रतीत कराती है।

Page - 32

1) समानार्थी शब्द लिखो

सूर्य - सूरज, सुमन - फूल, हमेशा - सदा,
अंधकार - अंधेरा, पेड़ - वृक्ष, अंबर - आकाश,
सरिताएँ - नदियाँ, कुदरत - प्रकृति,